# Mitch an Lisius The Gazette of India

प्रशाधारण

#### EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3--उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राणिकार से प्रकाशित

### PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 262]

नर्द दिक्ली, सोमवरि, जुलाई 21, 1975/ब्राघाइ 30, 1897

No. 262]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 21, 1975/ASADHA 30, 1897

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या बी जाती है जिससे कि यह घलग संकलन के कप में रखन जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 21st July 1975

S.O. 368(E)/IDRA/29B/75/4.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 98 (E)/IDRA/29B/73/1 dated the 16th February, 1973, namely:—

In the said notification, under the heading "Other undertakings", for item (c), the following item shall be substituted, namely:—

"(c) Existing undertakings which are registered, etc., under the Act.—
If an undertaking is an existing undertaking already covered by registration, licence or permission under the said Act, the existing investments together with the additional investments covered by approvals, permissions or licences already obtained by it and the proposed investment do not result in the total investment exceeding Rs 5 crores."

[No. F.12(27)/Lic. Pol./74]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

# उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रलाय (ग्रौद्योगिक विकास विभाग)

## म्रधिसूचना

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 1975

का० मा० 368 (म)/माई० डी॰ मार॰ ए०/29ख/75/4 उद्योग (जिकास मौर िनियमन) मिनियम, 1951 (1951 को 65) की घारा 29ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के भूतपूर्व मौद्योगिक विकास मंत्रालय (मौद्योगिक विकास मंत्रालय (मौद्योगिक विकास मंत्रालय (मौद्योगिक विकास शिकाम) की मिन्द्रियना संख्या का० मा० 98(म)/माई डी मार ए/29ख/73/1 तारीख 16 फर्ररी, 1973 में निम्नलिखित मौर संशोधन करती है, मर्थात्: ---

उक्त भधिसूचना में, "भ्रम्य उपक्रम" शीर्षक के भ्रन्तर्गत सद (ग) के स्थान पर निम्न-लिखित सद रखी जाएगी, श्रयात :---

"(ग) विद्यासान उपक्रम को श्रिविधियम के श्रिविष्ण रिजस्ट्रोक्टित, श्रावि है — यदि कोई उपक्रम एक ऐसा विद्यमान उपक्रम है जो पहिले ही उक्त श्रिधिनयम के श्रिधीन रिजस्ट्रोक्टित, श्रमुक्तप्त या श्रमुक्तात है तो उसके द्वारा पहिले ही प्राप्त श्रमुमोदनों, श्रमुक्ताओं या श्रमुक्तप्तियों के श्रन्तर्गत श्राने वाले श्रितिरिक्त विनिधानों के सहित विद्यमान विनिधान श्रीर प्रस्थापित विनिधान कुल मिलाकर 5 करोड रुपए से श्रिधिक के विनिधान न हों।"

[सं० फा० 12(27)/लाइसेंस पॉल/74] % (37) = (37